पीने के पानी को तरस रहे 61 गांव के लोग, सड़कों पर फूटी पाइपलाइन

अफसरशाही और ठेकेदार की सांठगांठ से 98 करोड़ का जल घोटाला

- 1 इंच गहराई में गाड़ी पाइपलाइन, खुले चैंबरों में हादसे का शिकार हो रहे वाहन
- जोधपुर की कंपनी ने बिछाई कमजोर पाइपलाइनें,कलेक्टर से जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

महज एक इंच गहराई पर डाल दीं पाइपलाइनें

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कंपनी ने लागत बचाने के चक्कर में पाइपलाइन बिछाने के तय मानकों को ताक पर रख दिया है. नियमानुसार पाइपलाइन को जमीन में पर्याप्त गहराई पर दबाया जाना था, लेकिन ठेकेदार ने केवल 1 इंच की गहराई में ही पाइप डाल दिए. नतीजा यह हुआ कि सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही शुरू होते ही पाइपलाइनें जगह-जगह से चटक गईं और टूट गईं. पाइप फटने के कारण योजना का पानी घरों तक पहुंचने के बजाय सड़कों पर बह रहा है, जिससे पूरे-पूरे गांव कीचड़ और जलभराव की चपेट में आ चुके हैं. पाइप क्षतिग्रस्त होने से आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों में आने वाले नौनिहालों को भी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है.

हादसों का सबब बने सड़क किनारे बने खुले चैंबर

योजना के तहत सांची जनपद क्षेत्र के नरखेड़ा और आसपास के गांवों में सड़क किनारे बड़े-बड़े कंक्रीट चैंबर बनाए गए हैं, जिन्हें बिना ढके ही खुला छोड़ दिया गया है. मुख्य मार्गों से सटे ये खुले चैंबर अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए काल सिद्ध हो रहे हैं. आए दिन रात के अंधेरे में वाहन इन चैंबरों से टकरा रहे हैं, जिससे ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं. हाल ही में नरखेड़ा सरपंच की कार भी एक खुले चैंबर में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. बार-बार शिकायतों के बावजूद न तो निर्माण कंपनी के कानों पर जूं रेंग रही है और न ही जिम्मेदार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे हैं.

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 12 अक्टूबर. जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण आबादी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के सरकारी दावों की धज्जियां उड़ रही हैं. करीब 98.72 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार की जा रही 'हलाली समूह जलप्रदाय योजना' आज घटिया निर्माण, अफसरशाही की अनदेखी और ठेकेदार की घोर लापरवाही का पर्याय बन चुकी है.

भोपाल और रायसेन जिले के 61 गांवों तक पानी पहुंचाने का सपना दिखाकर शुरू की गई यह योजना जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार और बदहाली का शिकार हो गई है. आलम यह है कि जिन गांवों में 2024-25 तक नल से जल पहुंच जाना चाहिए था, वहां वर्ष 2026 में भी ग्रामीण एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं. योजना का काम देख रही जोधपुर राजस्थान की आईटीडीसीसी निर्माण कंपनी की कार्यप्रणाली पर अब स्थानीय जन प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं.

भविष्य की जरूरतों पर उठ रहे सवाल: हलाली बांध पर बने इंटकवेल और पास के गांव में निर्मित 7.75 एमएलडी क्षमता वाले वाटर फ़िल्टर प्लांट से गांव-गांव बनी टंकियों में पानी सप्लाई किया जाना था. इस योजना को अगले 30 वर्षों की आबादी (वर्ष 2037 में 1,01,975 और वर्ष 2052 में 1,42,402 अनुमानित जनसंख्या) को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. लेकिन जब वर्तमान में ही 74 हजार से अधिक आबादी को पानी नहीं मिल पा रहा, तो भविष्य के दावे खोखले नजर आ रहे हैं.

भोपाल और रायसेन के ये गांव हैं प्रभावित: सांची ब्लॉक (रायसेन - 25 गांव): अंबाड़ी, बनखेड़ी, बरजोपुर, बेरखेड़ी, छोला, दहिड़ा, दीवानगंज, जमुनिया, कचनारिया, कड़ईया, कायमपुर, केमखेड़ी, खोहा, कुल्हाड़िया, मुक्तापुर, मुरलीखेड़ी, मुस्काबाद, नरखेड़ा, निंनोद, नरोद, पिपल्या, संग्रामपुर, सरार, सेमरा और टिंगरा. फंदा ब्लॉक (भोपाल - 36 गांव): आचारपुरा, अमोनी, अरखेड़ी, अरवलिया, आलमपुर, बरखेड़ी अब्दुल्ला, छाछेड़, डोब, डोबरा, फतेहपुर, गनियारी, गरमुर्रा, गासीपुरा आदि शामिल हैं.

बिजली की अघोषित कटौती से नहीं मिल रहा पीने का पानी

साईखेड़ा के ग्रामीण बोले- अफसरों से कई बार कर चुके मौखिक और लिखित शिकायतें, नहीं सुन रहे

नवभारत न्यूज

सांई खेड़ा, 12 अक्टूबर. साईखेड़ा में इन दिनों विद्युत समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है. पिछले काफी समय से ग्रामीण बिजली की अघोषित कटौती और लो-वोल्टेज की भारी समस्या से जूझ रहे हैं.

सबसे चिंताजनक बात यह है कि एक तरफ जहां नवरात्रि का पावन त्योहार शुरू हो चुका है और गांव में माता रानी की झांकियां सजाई जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर विद्युत विभाग इस गंभीर समस्या को लेकर पूरी तरह उदासीन बना हुआ है. विभाग की इस लापरवाही के कारण ग्रामीणों में भारी आक्रोश और चिंता का माहौल है.

रात में अंधेरा, पैर पसार रही बीमारियां: गांव में रात के समय घंटों बिजली गायब रहने से पूरा इलाका अंधेरे के आगोश में डूब जाता है. इस उमस भरे मौसम में रात को बिजली न होने से मच्छरों का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है. ग्रामीणों का कहना है कि रात भर मच्छर काटने के कारण घरों में बच्चे और बुजुर्ग बीमार हो रहे हैं. गांव में मौसमी बीमारियों ने पैर पसारना शुरू कर दिया है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं.

नवरात्रि की रौनक पर बिजली विभाग का ग्रहण: वर्तमान में नवरात्रि का पर्व चल रहा है. गांव में श्रद्धालुओं द्वारा माता रानी की सुंदर झांकियां सजाई गई हैं. इन धार्मिक आयोजनों और प्रकाश व्यवस्था के लिए लाइट की अत्यंत आवश्यकता है. लेकिन बिजली की आंख-मिचौली के कारण त्योहार का उत्साह भी फीका पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि इस समय सबसे ज्यादा बिजली की जरूरत है, फिर भी कटौती की जा रही है.

अब मिलकर करना होगा विचार: समस्या से त्रस्त ग्रामवासियों का कहना है कि विद्युत विभाग को कई बार मौखिक और लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है. विभाग की इस उदासीनता के खिलाफ अब सभी ग्रामीणों ने एकजुट होकर इस समस्या पर सामूहिक रूप से विचार करने का मन बनाया है. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने को बाध्य होंगे.

बिजली गुल रहने से स्थानीय आटा चक्की भी बंद पड़ी

ग्रामीणों ने बताया कि बिजली न रहने के कारण दैनिक दिनचर्या पूरी तरह ठप हो गई है। घरों में पीने और निस्तार का पानी तक नहीं भर पा रहा है। इतना ही नहीं, बिजली गुल रहने से स्थानीय आटा चक्की भी बंद पड़ी रहती है, जिसके कारण लोगों को समय पर आटा तक नहीं पिस पा रहा है और महिलाओं को भोजन बनाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बेरखेड़ी चौराहे की पुलिया बनी कचरा डंपिंग ग्राउंड

चिकन-मछली के अपशिष्ट से भीषण बदबू, राहगीर परेशान

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 12 अक्टूबर. भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर स्थित बेरखेड़ी चौराहे की पुलिया इन दिनों स्थानीय होटल और ढाबा संचालकों की लापरवाही के चलते गंभीर प्रदूषण और बदबू का केंद्र बन चुकी है.

पुलिया के नीचे और आसपास धड़ल्ले से फेंके जा रहे चिकन, मछली के अपशिष्ट और सड़ी-गगली सब्जियों के कचरे ने पूरे इलाके का माहौल दूषित कर दिया है. स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों के लिए एक पल भी वहां रुकना दूभर हो गया है.

बीमारियां फैलने का खतरा

होटल और ढाबों द्वारा बचा हुआ मांसाहारी और सड़ा-गला कचरा सीधे पुलिया में फेंका जाना.
तेज धूप के कारण कचरे में सड़न पैदा होने से उठने वाली असहनीय बदबू. आवारा कुत्तों और सुअरों का जमावड़ा लगना, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ना. मक्खी-मच्छरों के पनपने से क्षेत्र में गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा.

लोगों में आक्रोश: स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रात के अंधेरे में या सुनसान समय का फायदा उठाकर कुछ वाहन चालक और ढाबा संचालक कचरे से भरे बोरे सीधे पुलिया में उड़ेल जाते हैं.

वीआईपी मार्ग की उपेक्षा

यह मार्ग केवल आम जनता की आवाजाही का जरिया नहीं है, बल्कि विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों, वीआईपी और कई विशिष्ट मेहमानों का काफिला भी इसी हाईवे से होकर गुजरता है. इसके बावजूद, इस प्रमुख मार्ग पर इस तरह खुलेआम कचरा फेंका जाना स्थानीय प्रशासन और स्वच्छता व्यवस्था की पोल खोल रहा है.

दीवानगंज में पलटी भूसे से भरी ट्रॉली

भोपाल-विदिशा हाईवे पर ओवरलोडिंग का कहर :रोजाना गुजर रहे 50 से अधिक वाहन

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 12 अक्टूबर. रायसेन जिले के सलामतपुर थाना अंतर्गत भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे 18 पर दीवानगंज फॉल्कन गार्डन के पास रविवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. क्षमता से अधिक भूसा भरी हुई एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई.

गनीमत यह रही कि ड्राइवर और अन्य लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि यह वाहन किसी अन्य यात्री वाहन या हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ जाता, तो जनहानि की बड़ी घटना घट सकती थी.

पशुपालकों के लिए गंभीर संकट: सड़क हादसों के अलावा इस अंधाधुंध परिवहन का एक और बड़ा दुष्परिणाम क्षेत्र के पशुपालकों को भुगतना पड़ रहा है. पिछले दो सालों से किसान दलहनी फसलों की पैदावार अधिक कर रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर भूसे का रकबा लगातार कम हुआ है. हार्वेस्टिंग मशीनों से बनने वाले भूसे को खेत से ही बाहरी व्यापारी खरीदकर भोपाल अन्य जिलों के लिए ट्रकों से ले जा रहे हैं.नतीजतन, स्थानीय पशुपालकों को 800 से 1,000 रुपये प्रति क्विंटल की कीमत पर भूसा खरीदना पड़ रहा है.

नहीं कर रहे कार्रवाई

जिले सहित सलामतपुर में भूसे का परिवहन निरंतर हो रहा है और रायसेन आरटीओ जानकारी होने के बाद भी ऐसे वाहनों पर कार्रवाई करने से कतरा रहा है. जबकि रायसेन आरटीओ हाइवे 18 और एनएच 146 पर प्रतिदिन वाहन चैकिंग कर रहे हैं. फिर भी उनको भूसे के ओवरलोड ट्रक नजर नही आ रहे हैं.
अशोक त्रिपाठी, समाजसेवी रातातलाई सलामतपुर

शिकायत नहीं सुन रहे

स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार शिकायत के माध्यम से जिम्मेदार अफसरों को इस समस्या से अवगत कराया है. लेकिन समस्या का समाधान संभव नहीं हो सका. और भोपाल विदिशा स्टेट हाइवे 18 के सलामतपुर से दिन रात निकल रहे भूसे के ट्रकों पर कार्रवाई होनी चाहिए.
नीरज जैन बंटी भैया, व्यापारी सलामतपुर.

परिवहन विभाग की चुप्पी और वसूली के आरोप

क्षेत्र के नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि स्टेट हाईवे 18 और नेशनल हाईवे 146 पर नियमों को ताक पर रखकर ओवरलोडिंग का खेल बेधड़क चल रहा है. प्रतिदिन भोपाल और इंदौर की ओर लगभग 50 से अधिक ओवरलोड ट्रक, डंपर और ट्रॉली दौड़ते हैं.

बाल स्वयंसेवक ने निकाला पथ संचलन

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 12 अक्टूबर. नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बाल स्वयंसेवकों का पथ संचलन निकाला गया. इस दौरान बाल स्वयंसेवकों ने अनुशासन और कदमताल के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से संचलन निकाला.

सांदीपनि विद्यालय के मैदान में सर्व प्रथम बाल स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण हुआ. इसके पश्चात सभी स्वयंसेवक पंक्तिबद्ध होकर अनुशासित तरीके से पथ संचलन प्रारंभ हुआ . जो नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुन: सांदीपनि विद्यालय के मैदान में पहुंचकर संपन्न हुआ. इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड कार्यवाह प्रदीप रघुवंशी उपस्थित रहे. उन्होंने बाल स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संगठन, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के महत्व पर मार्गदर्शन दिया.

बिना सूचना पटल के किया जा रहा कन्या छात्रावास में अधीक्षक भवन का निर्माण

- लागत व निर्माण की समय-सीमा जैसी जानकारी नहीं
- निर्माण कार्य की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे

नवभारत न्यूज

बम्हौरी. नगर बम्हौरी स्थित कन्या छात्रावास परिसर में अधीक्षक भवन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है. निर्माण स्थल पर सूचना पटल नहीं लगाए जाने से निर्माण कार्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने नहीं आ पा रही हैं. ऐसे में निर्माण कार्य की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं.

आमतौर पर शासकीय निर्माण कार्यों के स्थल पर सूचना पटल के माध्यम से निर्माण एजेंसी, स्वीकृत राशि, कार्य की अवधि और अन्य जरूरी जानकारियां प्रदर्शित की जाती हैं. लेकिन कन्या छात्रावास बम्हौरी में बन रहे अधीक्षक भवन के निर्माण स्थल पर सूचना पटल नजर नहीं आने से लोगों को कार्य की लागत और निर्माण की समय-सीमा जैसी जानकारी नहीं मिल पा रही है.

जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल

शासकीय भवनों के निर्माण में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है. ऐसे में निर्माण स्थल पर सूचना पटल नहीं होने के मामले में संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए. साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निर्धारित मापदंडों के पालन की जांच भी की जानी चाहिए, ताकि सरकारी राशि से बन रहे भवन का निर्माण नियमानुसार हो सके. अब देखना यह है कि संबंधित विभाग के अधिकारी इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और निर्माण स्थल पर आवश्यक जानकारियां प्रदर्शित कराने के साथ निर्माण कार्य की जांच कराते हैं या नहीं.

आईटी कंपनी की महिला कर्मचारी ने की खुदकुशी

भोपाल, 12 अक्टूबर. कोलार इलाके में एक आईटी कंपनी की महिला कर्मचारी ने रविवार-सोमवार रात फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. पुलिस को मौके पर सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ. पुलिस महिला के इस कदम उठाने के पीछे कारण का पता लगा रही है. मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक 29 वर्षीय रोली सिंह महाबली नगर में किराए के एक फ्लैट में रहती थी. मूलत: रीवा की रहने वाली रोली ने एमसीए की पढ़ाई पूरी कर ली थी और वह इन दिनों एक आईटी कंपनी में वर्क फ्रॉम होम कर रही थी. रोली के फ्लैट के बगल में रहने वाले युवक ने, जब किसी काम से उनका दरवाजा खटखटाया और बहुत देर तक कोई भी आवाज नहीं आई.

रायसेन में आज मौसम रहेगा सुहावना, हल्की धुंध और गुलाबी ठंड का एहसास

रायसेन। रायसेन जिले में आज मौसम का मिज़ाज मिला-जुला और सुहावना बना रहेगा। सुबह के समय हल्की धुंध और वातावरण में ठंडक महसूस की गई। दिन चढ़ने के साथ तीखी धूप खिलेगी, जिससे दोपहर के समय हल्का गर्म माहौल रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, आज रायसेन में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है और आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। हल्की हवाएं चलने से शाम के समय मौसम में फिर से ठंडक लौट आएगी।

किसानों के लिए यह मौसम

फसलों की कटाई और सुखाने के लिए अनुकूल माना जा रहा है। हालांकि, सुबह-शाम के बदलते तापमान को देखते हुए चिकित्सकों ने सेहत का ध्यान रखने और बुजुर्गों व बच्चों को ठंड से बचाव की सलाह दी है।

मनमानी आरटीओ अमला प्रतिदिन स्टेट हाईवे 18 और एनएच 146 पर करता है चेकिंग, फिर भी निजी गाड़ियों पर नहीं पड़ती नजर

निजी वाहनों पर धड़ल्ले से लिख रहे 'मध्यप्रदेश शासन', कार्रवाई नहीं

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 12 अक्टूबर. कस्बे सहित आसपास के समूचे ग्रामीण अंचल में इन दिनों निजी वाहनों पर 'मध्यप्रदेश शासन' लिखवाकर धौंस जमाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है. मोटर साइकिल, कार और अन्य निजी गाड़ियों पर बिना किसी प्रशासनिक अधिकार के 'मध्यप्रदेश शासन' या 'शासकीय पदनाम' लिखकर लोग बेधड़क सड़कों पर घूम रहे हैं.

इस प्रकार निजी वाहनों पर शासकीय शब्द लिखकर अपना रुतबा चमकाने वाले लोगों के खिलाफ रायसेन परिवहन विभाग (आरटीओ) पूरी तरह मेहरबान नजर आ रहा है. ताज्जुब की बात यह है कि आरटीओ अमला प्रतिदिन स्टेट हाईवे 18 और

नेशनल हाईवे 146 पर चेकिंग अभियान चलाता है, लेकिन इसके बावजूद इन नियम-विरुद्ध दौड़ते वाहनों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है.

मोटर वाहन अधिनियम का सीधा उल्लंघन: कानून के अनुसार, केवल अधिकृत शासकीय अधिकारियों और शासकीय कार्यों में लगे वाहनों पर ही शासन का नाम या पदनाम अंकित करने की अनुमति है. निजी वाहनों पर इस तरह का लेखन मोटर वाहन अधिनियम का सीधा उल्लंघन है. ऐसे वाहनों का इस्तेमाल अक्सर टोल टैक्स बचाने, पुलिस चेकिंग से बचने और आम जनता पर अनावश्यक प्रभाव डालने के लिए किया जा रहा है. इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की इस चुप्पी पर अब सवाल उठने लगे हैं.

कार्रवाई की लेकर मांग तेज: क्षेत्रीय नागरिकों ने रायसेन जिला प्रशासन और उच्चाधिकारियों से मांग की है कि स्टेट हाईवे 18 और एनएच 146 पर विशेष अभियान चलाकर निजी वाहनों पर 'मध्यप्रदेश शासन' या फर्जी पदनाम लिखने वालों के खिलाफ कड़ी चालानी कार्रवाई की जाए और वाहन मालिकों से मौके पर ही यह अवैध लेखन हटवाया जाए.

हाईवे पर रोज़ाना चेकिंग, फिर भी साधी चुप्पी

स्थानीय निवासियों का कहना है कि रायसेन आरटीओ की टीम रोजाना नेशनल हाईवे 146 और स्टेट हाईवे 18 पर कई घंटे रुककर वाहनों की फिटनेस, लाइसेंस, ओवरलोडिंग और कागजातों की जांच करती है. आम वाहन चालकों पर तो चालानी कार्रवाई तुरंत कर दी जाती है, लेकिन जैसे ही 'मध्यप्रदेश शासन' लिखी हुई कोई निजी कार या बाइक सामने से गुजरती है, अधिकारी या तो नजरें फेर लेते हैं या बिना किसी कार्रवाई के उन्हें जाने देते हैं.

कानून सबके लिए बराबर

निजी वाहनों पर 'मध्यप्रदेश शासन' लिखवाकर घूमना पूरी तरह से गैर-कानूनी है. कई लोग सिर्फ रुतबा दिखाने और नियम तोड़ने के उद्देश्य से ऐसा करते हैं. रायसेन आरटीओ अमले को हाईवे पर चेकिंग के दौरान ऐसे वाहनों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि कानून का डर सभी में बना रहे.
रघुवीर सिंह मीणा, सरपंच, ग्राम पंचायत रातातलाई

ऐसे वाहन रोज दिख रहे

सलामतपुर क्षेत्र में कई ऐसी गाड़ियां रोज़ देखने को मिलती हैं, जो निजी हैं लेकिन उन पर बड़े-बड़े अक्षरों में 'मध्यप्रदेश शासन' लिखा हुआ है. परिवहन विभाग आम चालकों के तो तुरंत चालान काट देता है, लेकिन रसूखदारों की गाड़ियों को देखकर अनदेखा कर देता है. इस दोहरे रवैये से प्रशासन की साख खराब हो रही है.
हसन मंसूरी, स्थानीय निवासी, सलामतपुर

दो स्कूलों की पत्रिकाओं का किया विमोचन

- शिक्षकों को मिला डी-ई ग्रेड के नतीजे सुधारने का मंत्र

नवभारत न्यूज

रायसेन, 12 अक्टूबर. विद्यार्थियों की कलम और कला को मंच देने के लिए पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पड़रिया राजधार में पत्रिका विमोचन समारोह हुआ. लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के अपर संचालक डॉ. मनीष वर्मा ने पड़रिया राजधार की पत्रिका 'प्रकृति से प्रगति की ओर' और शासकीय हाई स्कूल महुआ खेड़ा कला की पत्रिका 'महुआ गौरव' का विमोचन किया.

डॉ. वर्मा ने कहा कि विद्यालयीन पत्रिकाएं विद्यार्थियों की प्रतिभा, शिक्षकों के प्रयासों और स्थानीय क्षेत्र की पहचान को सामने लाने का सशक्त माध्यम हैं. उन्होंने बच्चों से नियमित स्कूल आने, लक्ष्य तय करने और उसे पाने के लिए लगातार मेहनत करने का आह्वान किया. विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और नागरिकों से अपनी भूमिका निभाने की अपील की. साथ ही सेवा संकल्प अभियान की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने को कहा.

पड़रिया राजधार के प्राचार्य जाहर सिंह लोधी ने बताया कि पत्रिका विद्यार्थियों की प्रतिभा, शैक्षणिक गतिविधियों और पर्यावरण जागरूकता को सामने लाती है. उन्होंने पीएम श्री स्कूल बनने के बाद आई प्रगति भी गिनाई. महुआ खेड़ा कला के प्राचार्य नंदलाल बरकरे ने कहा कि 'महुआ गौरव' में स्कूल की रचनात्मक गतिविधियों, बच्चों की उपलब्धियों और क्षेत्र की संस्कृति व विरासत को जगह दी गई है. संचालन व्याख्याता दीपक सोनी ने किया.

छात्राओं ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया. साक्षी समूह की प्रस्तुति, मानवी-राशि और जियामोहिनी के समूह नृत्य ने दर्शकों का दिल जीत लिया. महुआ खेड़ा की छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में स्वागत नृत्य के साथ चार युगों की अवधारणा पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया, जो समारोह का खास आकर्षण रहा. प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया.

डॉ. वर्मा ने परिसर में वृक्षारोपण किया और बच्चों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने को कहा.

समारोह में एसएमडीसी अध्यक्ष सुनील कुमार, विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे.